वृक्षारोपण अभियान न्याय पंचायत स्तर तक चलाया जाए: पुष्कर धामी

- नदियों और जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण के लिए प्रभावी प्रयास किये जाएं
- वैज्ञानिक आधार पर जल स्रोतों के पुनर्जीवीकरण के लिए तेजी से कार्य किये जाए
- वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए वनाग्नि संभावित क्षेत्रों में नमी संरक्षण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए

देहरादून (सच कहूँ न्यूज)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जल संरक्षण और वृक्षारोपण अभियान, 2024 के सफल क्रियान्वयन के लिए सचिवालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि जल संरक्षण और जल संचय की दिशा में तेजी से कार्य किये जाए। नदियों और जल स्रोतों के पुनजीर्वीकरण के लिए प्रभावी प्रयास किये जाएं। इसके लिये सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। 10 से 16 जून तक प्रदेशभर में जल उत्सव सप्ताह व्यापक स्तर पर मनाया जाय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैज्ञानिक आधार पर जल स्रोतों के पुनजीर्वीकरण के लिए तेजी से कार्य किये जाए। इसके लिए यूकॉस्ट, यूसर्क एवं जल संरक्षण और संवर्द्धन के लिए कार्य करने वाली अन्य संस्थाओं का सहयोग भी लिया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी अभियान को सफल बनाने में जन सहभागिता बहुत अहम होती है। जल संरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में कार्य करने वालों के साथ ही इस दिशा में जन भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन नदियों और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए अभी तक चिन्हित किया गया है, उनका बेस लाईन डाटा भी बनाया जाय। इनके पुनजीर्वीकरण के लिए लघुकालिक और दीर्घकालिक योजना के साथ कार्य किए जाए। वर्षा जल संचय की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए बनाई गई नीति का नियमानुसार पालन सुनिश्चित करवाया जाय।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि वनाग्नि से संभावित क्षेत्रों में वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए ऐसे क्षेत्रों में नमी संरक्षण की दिशा में विशेष ध्यान दिया जाए। इसके लिए वन विभाग पूरी योजना बनाकर कार्य करें। जो जल स्रोत तेजी से सूख रहे हैं, उनके संरक्षण के लिए सुनियोजित तरीके से कार्ययोजना बनाकर कार्य किए जाएं। चाल-खाल और अमृत सरोवरों के निर्माण में और तेजी लाई जाय। शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण संचय और संरक्षण के लिए प्रभावी तरीके से कार्य किये जाएं।

हरेला पर्व से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि आगामी हरेला पर्व से व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाए। यह अभियान एक माह तक चलाया जाए। फलदार और छायादार वृक्षों का अधिक रोपण किया जाए। वृक्षारोपण के साथ उनका संरक्षण सबसे अधिक जरूरी है, इनके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि वृक्षारोपण अभियान को न्याय पंचायत स्तर तक चलाया जाय। न्याय पंचायत स्तर पर गोष्ठी के माध्यम से जल संरक्षण और वृक्षारोपण के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम किये जाएं। न्याय पंचायत स्तर, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में वृक्षारोपण अभियान के तहत फलदार पौध वितरित किए जाएं।

वृक्षारोपण अभियान में जन सहभागिता जरूरी: सुबोध उनियाल

वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान में जन सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस अभियान को मनरेगा से जोड़ने से लोगों की आजीविका भी बढ़ेगी। इस वर्ष इस अभियान को न्याय पंचायत स्तर तक विस्तार किया जायेगा। वन विभाग द्वारा सेक्टर बनाकर वृक्षारोपण किया जायेगा। पर्यावरणविद् डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी है। जल संचय और संरक्षण के परंपरागत तरीकों पर नियमित कार्य करना होगा। इस अभियान को जन अभियान बनाना जरूरी है। बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, सचिव श्री शैलेश बगोली, अरविन्द सिंह ह्यांकी, श्री विनय शंकर पाण्डेय, एस.एन. पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, एच.सी. सेमवाल, डॉ. पराग मधुकर धकाते, शासन के वरिष्ठ अधिकारी और वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

सतपाल महाराज ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से की भेंट

पांचों सीटों पर हैट्रिक लगाने पर दी बधाई

देहरादून (सच कहूँ न्यूज)। प्रदेश की पांचों लोकसभा सीटों पर जीत की हैट्रिक लगाने पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद भट्ट और संगठन महामंत्री अजेय कुमार से मुलाकात कर उन्हें जीत की बधाई दी।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को भाजपा कार्यालय पहुंचकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेन्द्र प्रसाद भट्ट और संगठन महामंत्री अजेय कुमार से भेंट कर उनके कुशल नेतृत्व में पार्टी को पांचों लोकसभा सीटों पर मिली शानदार जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी नीतियों, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के द्वारा किए गए विकास कार्यों, पार्टी संगठन की रणनीतिक कुशलता, कार्यकर्ताओं कड़ी मेहनत और जनता के अपार प्यार और स्नेह का परिणाम है कि उत्तराखंड की पांचों सीटों पर तीसरी बार भाजपा का परचम लहराया है।

नीट परीक्षा में आकाश इंस्टिट्यूट के छात्र ने उत्तराखंड में पहला स्थान प्राप्त किया

देहरादून (सच कहूँ न्यूज)। परीक्षा तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड देहरादून ने अपने 150 छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि की घोषणा की। जिन्होंने प्रतिष्ठित नीट परीक्षा 2024 परीक्षा में 600 और उससे अधिक अंक प्राप्त किए। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अएरछ द्वारा प्रदान की गई उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग का प्रमाण है।

आकाश के छात्र अक्षत पंगरिया ने 720/720 अंक लेकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है एवं राज्य को गौरवान्वित किया है। 700+ अंक प्राप्त करने वाले उल्लेखनीय छात्रों में हिमनीश आजाद ने 705 अंक प्राप्त करके एआईआर 971 प्राप्त की, नीलाक्ष तिवारी ने 700 अंक प्राप्त करके एआईआर1,688 प्राप्त की। छात्रों को बधाई देते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एच.आर. राव ने कहा, "हम छात्रों को उनकी अनुकरणीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं। देश भर से 20 लाख से अधिक छात्र ठएएळ 2024 के लिए उपस्थित हुए। उनकी उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ उनके माता-पिता के समर्थन को दर्शाती है। हम अपने छात्रों को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

राज्यपाल ने राजभवन परिसर में की बर्ड वॉचिंग

कहा, जैव विविधता को बचाए रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की जरूरत

नैनीताल (सच कहूँ न्यूज)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) ने पक्षी विशेषज्ञों के साथ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार की सुबह नैनीताल राजभवन एवं राजभवन के गोल्फ कोर्स परिसर में बर्ड वॉचिंग की और यहां पक्षियों को देखा। इस दौरान उन्होंने कठफोड़वा, सामान्य भुजंगा, तीतर, पहाड़ी बुलबुल, सलेटी-सिर की पतफुदकी, सफेदकंठ चिलचिल आदि प्रजातियों के पक्षियों को देखा। पक्षी विशेषज्ञों ने पक्षियों की इन प्रजातियों की विशेषता आदि के बारे में राज्यपाल को जानकारी दी।

जैव विविधता और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर उत्तराखंड में विभिन्न प्रकार की पक्षियों की प्रजातियां पायी जाती हैं। नैनीताल राजभवन एवं गोल्फ कोर्स परिसर में भी पक्षियों की अनेक प्रजातियां देखने को मिलती हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों को देखकर एक अलग ही आनंद की अनुभूति हुई है। इस दौरान पक्षियों की अलग-अलग चहचहाहट मन को प्रफुल्लित और आकर्षित करने वाली रही। राज्यपाल ने कहा कि अन्य स्थानों पर जहां पक्षियों का दीदार मौसम पर निर्भर रहता है, लेकिन इस परिसर में वर्ष भर पक्षियों का बसेरा रहता है।

उन्होंने कहा कि प्रकृति के अनमोल खजाने से परिपूर्ण देवभूमि उत्तराखंड की जैव विविधता विशिष्ट है, जो पर्यावरण संतुलन में अपना योगदान दे रही है। हमें इस जैव विविधता को बचाए रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना चाहिए। इस दौरान नैनीताल के प्रभागीय वनाधिकारी चंद्रशेखर जोशी, वन क्षेत्राधिकारी प्रमोद चंद तिवारी, संतोष गिरी, पक्षी विशेषज्ञ मनीष कुमार, वीरेंद्र रावत, प्रवीण रावत व योगेश आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण दिवस पर निबंध व भाषण प्रतियोगिता आयोजित

दून पुस्तकालय की तरफ से हुआ आयोजन, युवाओं ने लिया हिस्सा

देहरादून (सच कहूँ न्यूज)। दून पुस्तकालय व शोध केन्द्र की ओर से पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक निबंध व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न युवा पाठकों निबंध लेखन व भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता की भाषा का माध्यम हिन्दी व अंग्रेजी दोनों में रखा गया था। इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों को उनके वरीयतानुसार अंकों की जानकारी दी गई। साथ ही सभी प्रतिभागियों को यथाशीघ्र प्रतिभागिता प्रमाणपत्र दिये जायेंगे।

निबंध के लिए निर्धारित शब्द संख्या 600-800 के मध्य रखी गयी थी, जबकि भाषण के लिए हर प्रतिभागी को बोलने के लिए 5 मिनट का समय दिया गया। इस प्रतियोगिता के लिए तीन विषय निर्धारित किये गये थे। इनमें, एक पर्यावरण व विकास का सहअस्तित्व हो सकता है और होना ही चाहिए, अगर हम सुरक्षित भविष्य चाहते हैं। दोनों पहलू परस्पर सहयोगी विचार हैं, विरोधी नहीं। दूसरा, भारत जैसे विकासशील देश के लिए हमारी प्राथमिकता गरीबी को मिटाना और लोगों का जीवनस्तर उठाना होना होगा। सिर्फ वहनीय विकास (सस्टेनबल डेवलपमैंट) करना हमारे हित में नहीं होगा और तीसरा जलवायु परिवर्तन से निबटने के लिए एक नयी सोच व विकास-एजेंडा की जरूरत है। पुराने तरीके व समाधान अब वैध नहीं है, विषय था।

निबंध व भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले सभी युवा पाठकों को वरीयता क्रमानुसार अंको की जानकारी दी गई। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के तौर पर प्रकृति प्रेमी अजय शर्मा, पर्यावरण कार्यकर्ता अनीस लाल और सामाजिक कार्यकर्ता अनूप बडोला तथा ज्ञान विज्ञान समिति के संयोजक श्री विजय भट्ट मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्री बिजू नेगी ने किया। इस अवसर पर रेणुका वेदपाठी, सुंदर सिंह बिष्ट, चंद्रशेखर तिवारी के साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले युवा पाठक सहित पुस्तकालय के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस: मुख्यमंत्री धामी ने किया पौधरोपण

पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों को बचाने का ले संकल्प: पुष्कर सिंह धामी

देहरादून (सच कहूँ न्यूज)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार मुख्यमंत्री आवास परिसर में पौधरोपण किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन पर्यावरण संरक्षण और जल स्रोतों को बचाने के लिए संकल्प लेने का दिन है। पर्यावरण संरक्षण के लिए देवभूमि उत्तराखंड की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है।

मुख्यमंत्री धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री की पत्नी गीता पुष्कर धामी, विधायक किशोर उपाध्याय, फकीर राम टम्टा और पूर्व वन मंत्री दिनेश अग्रवाल ने भी पौधरोपण किया।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने सहस्त्रधारा हेलीपैड के निकट सिटी पार्क में आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में शामिल होते हुए अनेक प्रजाति के पौधे लगाये। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अह्वान किया कि सभी परिवारों को जल संरक्षण में अपना योगदान देना होगा। हिमालय पर्वत की विश्व को स्वच्छ हवा और पानी देने में महत्वपूर्ण भूमिका है। पौधरोपण कार्यक्रम में शहरी विकास मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, विधायक उमेश शर्मा काऊ, निवर्तमान मेयर सुनील उनियाल गामा, अपर मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने किया पौधरोपण

प्रकृति को सहेजकर रखना हमारी गौरवशाली परम्परा: डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल

ऋषिकेश (सच कहूँ न्यूज)। क्षेत्रीय विधायक व कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को कहा कि पर्यावरण संरक्षण में उत्तराखंडवासियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रदेश सरकार जैव संसाधनों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध है।

कैबिनेट मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने बुधवार को कैम्प कार्यालय में पौधरोपण किया। उन्होंने परिजनों के साथ पौधे रोपे तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि हमें सामूहिक रूप से प्रकृति के संरक्षण की दिशा में भी चिन्तन करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकारी प्रयासों के साथ ही जनता, जन प्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं का पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन चेतना जागृत करने और इसके संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि प्रकृति को सहेजकर रखना हमारी गौरवशाली परम्परा है, जिसका प्रमाण वृक्षों की पूजा से मिलता है। उन्होंने कहा कि यह दिवस हमें मानव और प्रकृति के मध्य बेहतर सामंजस्य की आवश्यकता को रेखांकित करता है। यह दिवस साथ ही यह याद भी दिलाता है कि हम पर्यावरण को संरक्षित रखें। मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बिगड़ने से आज जल, वायु, भूमि सभी क्षेत्रों में प्रदूषण एक बड़ी चुनौती के रूप में हमारे सामने है। पर्यावरण प्रदूषण से बचाव के लिए हमें अधिक से अधिक सामाजिक वानिकी-कृषि वानिकी को अपनाना होगा।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया पौधरोपण

पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा की आवश्यकता: गणेश जोशी

देहरादून (सच कहूँ न्यूज)। कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को अपने सरकारी आवास पर पौधरोपण किया।

इस मौके पर कृषि मंत्री ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते प्रभाव के चलते पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा की आवश्यकता है। आज यह भी आवश्यक हो गया है कि पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने, ग्लोबल वार्मिंग और अधिक जनसंख्या जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में मानवजनित आगजनी की घटनाओं पर रोक लगाने के साथ-साथ अधिक से अधिक पौधरोपण करने की जरूरत है। कृषि मंत्री ने प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक पौधरोपण की अपील की। इस दौरान वे एक पौधा आंवला और एक पौधा आम का भी लगाएं।

पेगासस एसेट्स रीकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
PEGASUS
55-56, 5वीं मंजिल फ्री प्रेस हाउस नरीमन पॉइंट, मुंबई -400021 दूरभाष:-022-61884700
ईमेल: sys@pegasus-arc.com यूआरएल: www.pegasus-arc.com

ई-नीलामी द्वारा बिक्री हेतु सार्वजनिक सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत अचल/चल सुरक्षित परिसंपत्तियों की बिक्री, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 6 एवं 8 के प्रावधान के साथ।

इसके द्वारा आम जनता को तथा विशेष रूप से उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/बंधककर्ता/गारंटर को सूचित किया जाता है कि नीचे वर्णित सुरक्षित परिसंपत्तियां, जो कि सुरक्षित ऋणदाता के पास बंधक/प्रभारित अचल एवं चल संपत्ति हैं, पेगासस एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, जो पेगासस ग्रुप थर्टी-फाइव ट्रस्ट-2 (पेगासस) के ट्रस्टी के रूप में कार्य कर रहा है, को डोंबिवली सहकारी बैंक लिमिटेड द्वारा दिनांक 31/12/2020 के असाइनमेंट एग्रीमेंट के माध्यम से रअफ्रअएरक अधिनियम, 2002 एवं उसके अंतर्गत नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत नीचे उल्लिखित उधारकर्ता की बकाया राशि के साथ अंतर्निहित प्रतिभूति हित को सौंपा गया है, 18/07/2024 को "जहां है जैसा है" और "जो कुछ भी है" के आधार पर बेचा जाएगा।
पेगासस के प्राधिकृत अधिकारी ने 22/12/2022 को सरफेसी अधिनियम तथा उसके अंतर्गत नियमों के प्रावधानों के तहत अचल/चल संपत्ति के रूप में नीचे उल्लिखित सुरक्षित परिसंपत्तियों का भौतिक कब्जा ले लिया है।

नीलामी का विवरण इस प्रकार है:

उधारकर्ता/ गारंटर का नाम:	1. यूनिटेक कार्टून्स प्राइवेट लिमिटेड 2. श्री. उदय अच्युत कुलकर्णी (निदेशक एवं गारंटर) 3. श्री. धनंजय उदय कुलकर्णी (निदेशक एवं गारंटर) 4. श्रीमती. शलाका धनंजय कुलकर्णी (गारंटर) 5. श्री. गिरीश वैजनाथ वैद्य (गारंटर) 6. मेसर्स डी सिमरन कार्टन प्राइवेट लिमिटेड (कॉर्पोरेट गारंटर)
बकाया देय जिसके लिए सुरक्षित परिसंपत्तियां बेची जा रही हैं:	30/09/2020 को रु. 9,14,91,510.81/- (नौ करोड़ चौदह लाख इक्यावन हजार पांच सौ अस्सी मात्र) प्लस 01/11/2020 से संविदात्मक दर पर ब्याज और उस पर लागत, प्रभार और व्यय और 10/04/2024 को रु. 15,11,69,795.44/- (पंद्रह करोड़ ग्यारह लाख उनसठ हजार सात सौ पंचानवे और चौवालीस मात्र) प्लस 11/04/2024 से संविदात्मक दर पर ब्याज और भुगतान और प्राप्ति तक उस पर लागत, प्रभार और व्यय
बेची जा रही सुरक्षित परिसंपत्तियों का विवरण:	अचल संपत्ति -लॉट 1: भूखंड संख्या 129 पर स्थित औद्योगिक भूमि और भवन, जिसका क्षेत्रफल 0-2092 हेक्टेयर यानी 2092 वर्ग मीटर है, जिसका खसरा नंबर 1222 मिनट और खाता नंबर 362 (खतौनी 1411 फसली से 1416 फसली के अनुसार) है, जो नंद नगर औद्योगिक एस्टेट के फेज क्क में ग्राम महूखेड़ा गंज, तहसील काशीपुर, जिला उधम सिंह नगर, उत्तराखंड में स्थित है। चल संपत्ति -लॉट 2: प्लांट और मशीनरी।
आरक्षित मूल्य जिसके नीचे सुरक्षित परिसंपत्ति नहीं बेची जाएगी (रु. में)	Lot 1: Rs.2,35,17,000/- Lot 2: Rs. 4,37,000/-
बयाना राशि जमा (ईएमडी):	Lot 1: Rs. 23,51,700/- Lot 2: Rs. 43,700/-
दावे, यदि कोई हों, जो संपत्ति और सुरक्षित ऋणदाता और मूल्य को ज्ञात किसी अन्य बकाया के विरुद्ध प्रस्तुत किए गए हों	ज्ञात नहीं है
CERSAI आईडी	सुरक्षा आईडी- 400001530589, परिसंपत्ति आईडी- 200001529376
संपत्ति का निरीक्षण	05/07/2024 को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे के बीच संपर्क व्यक्ति: श्री रमाकांत पांडे (अधिकृत अधिकारी) @ 9087788888 और श्री अनिरुद्ध वर्मा @7730889481
बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:	16/07/2024 को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच
बोली खोलने का समय और स्थान:	18/07/2024 को सुबह 11 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक वेबसाइट (https://sarfaesi.auctiontiger.net) के माध्यम से ई-नीलामी/बोली।

यह प्रकाशन सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 6 और 8 के तहत उपर्युक्त उधारकताओं/गारंटरों को तीस दिन का नोटिस है।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया सुरक्षित ऋणदाता वेबसाइट यानी http://www.pegasus-arc.com/assets-to-auction.html, या वेबसाइट https://sarfaesi.auctiontiger.net पर दिए गए लिंक का संदर्भ लें या सेवा प्रदाता मेसर्स ई प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड से संपर्क करें।
नीलामी टाइगर, बोलीदाता समर्थन: 079-68136805/68136837 मो.: +919978591888,8000023297
ईमेल: ramprasad@auctiontiger.net और support@auctiontiger.net.

स्थान: काशीपुर, उत्तराखंड
दिनांक: 05/06/2024

प्राधिकृत अधिकारी
पेगासस एसेट्स रिकंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
(पेगासस ग्रुप थर्टी-फाइव ट्रस्ट -2)